नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

मॉरीशस में 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन का उदघाटन
'हिंदी विश्व और भारतीय संस्कृति' विषय पर तीन दिवसीय सम्मेलन शुरू
भाषा को बचाने की जिम्मेदारी भारत की – विदेश मंत्री सुषमा स्वराज

वर्धा, 18 अगस्त 2018: केंद्रीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज जी ने शनिवार को मॉरीशस में 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन के उदघाटन समारोह में कहा कि हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा का दर्जा प्रदान करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लुप्त होती भाषा को बचाने के साथ-साथ भाषा की शुद्धता को बढ़ाने की आवश्यकता है और इसकी जिम्मेदारी भारत पर है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने हिंदी को बढ़ावा देने की दिशा में पहल की है और सप्ताह में हर शुक्रवार हिंदी भाषा

में समाचार प्रसारित करना प्रारंभ कर दिया गया है।

माननीय सुषमा स्वराज जी ने कहा कि विश्व हिंदी सम्मेलन की यात्रा 43 वर्ष की है। सन 1975 में पहला विश्व हिंदी सम्मेलन नागपुर में हुआ था। मैंने पुराने सम्मेलनों की समीक्षा की और यह पाया कि पुराने विश्व हिंदी सम्मेलन साहित्य पर केंद्रित होते थे। हमारे साहित्य को पढ़ने के लिए भाषा को बचाना जरूरी है, यदि भाषा नहीं बचेगी तो साहित्य पढ़ेगा कौन। इसलिए निर्णय किया कि यह सम्मेलन भाषा पर केंद्रित होगा। लुप्त होती भाषा को बचाने की और बढ़ाने की जिम्मेदारी भारत की है। उन्होंने विश्व हिंदी सम्मेलन के प्रतीक चिन्ह का उल्लेख करते हुए कहा कि, इसमें भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर और मॉरीशस का राष्ट्रीय पक्षी डोडो को दर्शाया गया है। डोडो लुप्त हो गयी है। लुप्त होती भाषा की

प्रतीक है डोडो। इसे फिल्म के माध्यम से दर्शाया गया है कि डोडो को बचाने के लिए मोर आगे आता है।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि भारत अपनी इस जिम्मेदारी को बखुबी संभालेगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन को भाषा से आगे के पड़ाव पर ले जाने के लिए सम्मेलन का मुख्य विषय 'हिंदी विश्व और

भारतीय संस्कृति' रखा गया है। भाषा के साथ संस्कृति का गौरव जरूरी है। मुझे खुशी है कि आज भी गिरमिटिया देशों में भारतीय संस्कृति का गौरव कायम है। भाषा और संस्कृति एक दूसरे से मिले हुए है और इस पर सम्मेलन में स्वतंत्र सत्र रखा गया है। केंद्रीय हिंदी संस्थान को बधाई देते हुए उन्होंने कहा

कि विदेशी विद्यार्थियों को भाषा के साथ संस्कृति सीखाने के लिए संस्थान काम कर रहा है । उन्होंने कहा कि तमाम अनुशंसाएं छः महीनों में प्रकाशित करने का काम वर्धा स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी

विश्वविद्यालय ने पूरा किया है और इसके लिए मैं विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय गिरीश्वर मिश्र जी के प्रति आभार व्यक्त करती हूं। 'भोपाल से मॉरीशस' इस ग्रंथ का संपादन करने के लिए उन्होंने अशोक चक्रधर जी के प्रति आभार जताया। उन्होंने बताया कि विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस के भवन का तैयार

हुआ है। भारत के माननीय राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी ने इसका लोकार्पण किया है। वह सूचारु रूप से चल रहा है। वहां स्थायी अधिकारी नियुक्त कर दिए गये हैं। संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को आधिकारिक भाषा बनाने के लिए हो रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए 129 देशों का समर्थन चाहिए। इसपर आने वाला व्यय तमाम देशों को देना होगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में हर शुक्रवार को समाचार प्रसारित हो रहे हैं। यदि अधिक से अधिक लोग इसे देखेंने तो यह हर दिन भी

प्रसारित हो सकते हैं। हमें इसे अधिक से अधिक संख्या में देखना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने अपना ट्विटटर अकाउंट भी हिंदी में खोला है। उन्होंने कहा कि 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन की अनुशंसाओं पर कार्यवाही हो रही है। सम्मेलन की अनुशंसा के लिए अनुपालन समिति बनाएंगे। हर अनुशंसा पर कार्यवाही होगी। उन्होंने प्रतिभागियों से आहवान किया कि आप अनुशंसाएं दें। उसकी रिपोर्ट 20 तारीख को प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने सम्मेलन की सफलता की कामना की। उन्होंने कहा कि सम्मेलन पर पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी आशीर्वाद है। हिंदी के पुराधा वाजपेयी जी ने संयुक्त राष्ट्र में अपना भाषण हिंदी में दिया था।

मॉरीशस में शनिवार से शुरू हुए 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने 'भाषा और लोक संस्कृति' विषय पर बीज भाषण दिया। प्रारंभ में मॉरीशस के रक्षा मंत्री अनिरूद्ध जगन्नाथ ने भारत के पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि प्रदान करते हुए शोक प्रस्ताव पढ़ा। इस अवसर पर डाक टिकट भी जारी किया गया। सम्मेलन के उदघाटन समारोह में मॉरीशस के प्रधान मंत्री प्रवीण कुमार जगन्नाथ, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल माननीय केशरी नाथ त्रिपाठी, विदेश राज्यमंत्री जनरल वी. के. सिंह और किरण रीजिजू, मृदुला सिन्हा जी प्रमुखता से उपस्थित थे। संमेलन में विभिन्न देशों से हिंदी सेवी, हिंदी प्रेमी एवं विद्वान सहभागी हुए हैं। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल इस सम्मेलन में शामिल हुआ है।